

"राष्ट्रीय गीत"

आजादी के दिनों ने <sup>असह्य</sup> कंधे करके दिखसाह - कुद करके ॥२॥

मिली माशत को आजादी तिरंगा फेंका है - तिरंगा फेंका है -

⑨ वहाँ और सेना गोश की मिली भारत के घेरा बनके खड़े - घेरा बनके फिर गोबियां बन्दूकों में - लेकर के सामने आये

जालिया वाला बाग खबर गया ॥२॥ तिलक रघुनका लगाया है ॥२॥

(2) बड़े पुल्लिंगी गोशं ने - भारत में घोड़ा - भारत में - 12।

आजादी के लोभ को - लेकर के आंगड़ाई - लेकर के --- 1211  
आजादी के लोभ को - बिगुल धुन में बजाया है - बिगुल - 1121

③ देखा जैसे ही गांधी ने मिली भारत को -  
फिर सुभाष भी आगे बढ़े - वीरों की टोली को - वीरों की

चन्द्रशेखर - भगतसिंह ने सुनके जौहर की मौली को - सुनके - 121  
आजादी के - मन्साल को जलाया है - मन्साल को - 122

⑥ देखा वीरों ने जब ऐसा - ..... मिली मारत को - ..... नखा लो - .....  
 बोले हर हर महादेव की ..... कई रो लियो चली आई - कई - ..... (12)

२ गधरली को बाल हुआ है - जरेन मौत ने मनाया है - जरेन - ॥२॥

② " श्री बाबा श्री " ने भी - दिल में ये ठान लिया - दिल में - ॥२॥  
शान भारत की ऊँची रहे - माता भारत ही मान लिये - अपने दिल

अपने देश की माटी को <sup>55555</sup> मरतक में लगाया है - मरतक में <sup>55555</sup> 1121

आजादी के ----- मिली भारत को ----- आपन ही शुक का है -----  
हैं के ही शुक का है -----